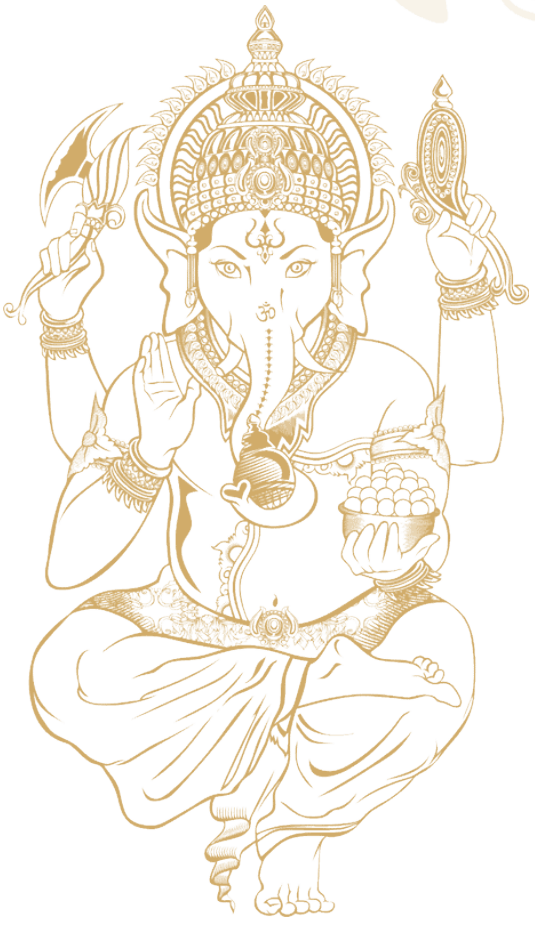

Sahil

Ms.Deeksha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120427303

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
06/06/1998	जन्म तिथि	28/11/2001
शनिवार	दिन	बुधवार
घंटे 09:20:00	जन्म समय	12:05:00 घंटे
घटी 09:39:46	जन्म समय(घटी)	12:56:00 घटी
India	देश	India
Alwar	स्थान	Agra
27:32:00 उत्तर	अक्षांश	27:09:00 उत्तर
76:35:00 पूर्व	रेखांश	78:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:40	स्थानिक संस्कार	-00:18:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:28:05	सूर्योदय	06:48:10
19:16:37	सूर्यास्त	17:23:46
23:49:58	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:43

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 0वर्ष 3मा 29दि	12:24:08	कर्क	लग्न	कुंभ	00:51:40	केतु 1वर्ष 2मा 1दि
गुरु	21:25:51	वृष	सूर्य	वृश्चि	12:12:48	सूर्य
04/10/2016	06:02:18	तुला	चंद्र	मेष	11:06:04	30/01/2023
04/10/2032	15:21:24	वृष	मंगल	मक	28:24:14	30/01/2029
गुरु 22/11/2018	16:20:17	वृष	बुध	वृश्चि	08:30:12	सूर्य 20/05/2023
शनि 04/06/2021	01:31:24	मीन	गुरु व	मिथु	20:43:56	चन्द्र 18/11/2023
बुध 10/09/2023	14:32:27	मेष	शुक्र	वृश्चि	00:51:11	मंगल 25/03/2024
केतु 16/08/2024	05:51:29	मेष	शनि व	वृष	18:02:12	राहु 17/02/2025
शुक्र 17/04/2027	11:25:29	सिंह व	राहु व	मिथु	03:23:39	गुरु 06/12/2025
सूर्य 03/02/2028	11:25:29	कुंभ व	केतु व	धनु	03:23:39	शनि 18/11/2026
चन्द्र 04/06/2029	18:45:23	मक व	हर्ष	मक	27:22:16	बुध 24/09/2027
मंगल 11/05/2030	08:03:12	मक व	नेप	मक	12:35:04	केतु 30/01/2028
राहु 04/10/2032	12:37:07	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	20:52:58	शुक्र 30/01/2029

लग्न-चलित

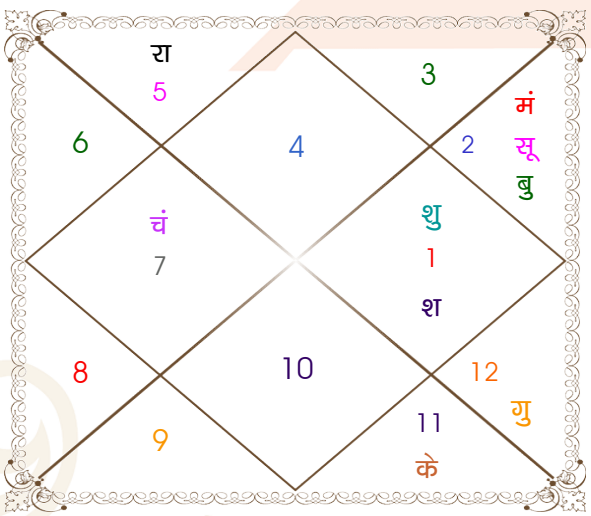

लग्न-चलित

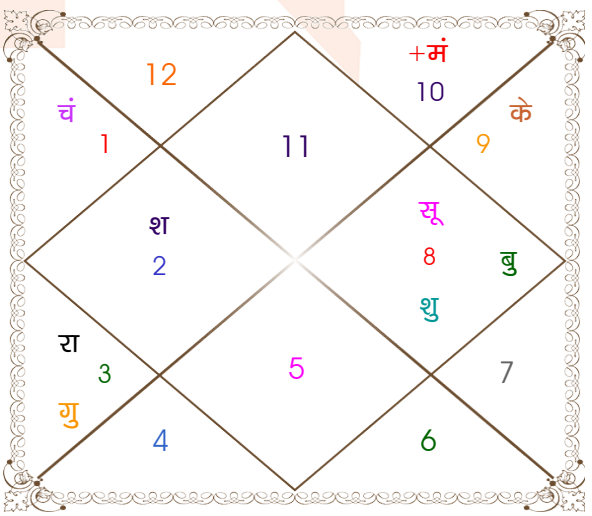

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	अश्व	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

Sahil का वर्ग मृग है तथा Ms.Deeksha का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sahil और Ms.Deeksha का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Sahil मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Ms.Deeksha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.Deeksha कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Sahil कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Sahil तथा Ms.Deeksha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।